an>

Title: h Need to take urgent steps to clean river Ganga.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदय, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने एक अत्यंत अविलंबनीय लोक महत्व के प्रश्न पर मुझे बोलने की अनुमति दी है। इस सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि हम गंगा जैसी पवित्र नदी को प्रदूषण से मुक्त करें और उसे अविरल और निर्मल धारा बनाने के लिए जो भी औद्योगिक इकाइयां हैं, चाहे इलाहाबाद के किनारे, कानपुर, बनारस के इलाके या गंगोत्री से गंगा सागर तक, उसके कचरों को वहां डालने पर प्रतिबंधित किया जाए। इसके बावजूद 26 नवम्बर को इलाहाबाद में गंगा का जल केवल कचरों को डालने के कारण लाल हो गया। उसके अंदर की मछलियां मर गईं। जो श्रद्धालु स्नान करने गए, वे बिना स्नान किए वापिस आ गए जबकि एक तरफ केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री ने गंगा एक्शन प्लान में इस बात को सुनिश्चित किया, उन्होंने 21 सूत्री कार्यक्रम भी सबमिट किया है। गंगा के किनारे 764 औद्योगिक इकाइयां हैं। चाहे वह कानपुर का टेन्नरी-चमड़े का कारखाना हो, फिरोजाबाद की चूड़ियों का कारखाना हो या तमाम अन्य कारखाने हों। उस चेतावनी के बावजूद यह प्रदूषण अभी भी उन इकाइयों से हो रहा है। इस नाते जो भी प्रयास होगा, चाहे पहले प्रयास हुआ या आगे होगा, मैं समझता हूं कि इस बारे में हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि गंगा की धारा को कैसे निर्मल और अविरल बना सकेंगे।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि जब हम गंगा को, जो हमारी राष्ट्रीय नदी है, राष्ट्रीय नदी घोषित करने के बाद गंगा के जल को हम निर्मल और प्रदूषण से मुक्त करना चाहते हैं तो उसके लिए निश्चित तौर पर एक कानून बनाना होगा कि जो भी गंगा बेसिन के किनारे शहर हैं या उद्योग लगे हुए हैं, उनका जो भी कचरा है, वह उसमें न डाला जाये। ...(व्यवधान)

HON. DEPUTY SPEAKER: The hon. Minister of Water Resources is taking care of that.

श्री जगदम्बिका पाल: यदि ऐसा नहीं करेंगे तो निश्चित तौर से हम गंगा को प्रदूषण से मुक्त नहीं कर सकते।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER:

Shri Arjun Ram Meghwal is permitted to associate with the issue raised by Shri Jagdambika Pal.